ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिवेदन

भावी नायकों के लिए मत्स्य अर्थशास्त्र की समझ को आगे बढ़ाना

24 - 28 जून, 2024

भा कृ अनु प- के मा शि सं , मुंबई के मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार और सांख्यिकी प्रभाग द्वारा 24 जून से 28 जून 2024 तक के मा शि सं, मुंबई के निदेशक डॉ. रविशंकर सी.एन. के मार्गदर्शन में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "भावी नायकों के लिए मत्स्य अर्थशास्त्र की समझ को आगे बढ़ाना" विषय पर आयोजित किया गया।

मत्स्य अर्थशास्त्र अर्थव्यवस्था और समाज के विभिन्न पहलुओं में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तदनुसार, इस प्रशिक्षण में सूक्ष्म और स्थूल अर्थशास्त्र, उत्पादन अर्थशास्त्र और वैश्विक बाजार और व्यापार गतिशीलता जैसी उन्नत अवधारणाओं के लिए आधारभूत सिद्धांतों को शामिल किया गया। व्याख्यान और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से, प्रशिक्षुओं ने मत्स्य संसाधनों के सतत प्रबंधन को आकार देने में अर्थशास्त्र की भूमिका के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। कुल दस प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और वे मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, उदगीर (3), सेंचुरियन प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (3), मत्स्य पालन महाविद्यालय, रत्नागिरी (1), मत्स्य पालन महाविद्यालय, किशनगंज, बिहार (1) और मत्स्य पालन महाविद्यालय, ढोली, बिहार (2) से थे। प्रशिक्षु कृषि में बी.एफ.एस.सी., एम.एफ.एस.सी. और पीएचडी थे, जिनमें 3 महिला और 7 पुरुष प्रतिभागी थे। प्रशिक्षण के दौरान, डॉ. संजय सतपाल, सहायक प्रोफेसर, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी ने एफईईएस डिवीजन के संकाय और अनुसंधान विद्वानों के साथ एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण में बुनियादी आर्थिक सिद्धांतों और लागत और वापसी अवधारणाओं से शुरू होकर मत्स्य अर्थशास्त्र की आवश्यक बातों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने रिमोट सेंसिंग और सैटेलाइट इमेजरी, कोबोटूलबॉक्स आदि जैसे डेटा संग्रह के पारंपरिक और आधुनिक तरीकों के बारे में सीखा कुल मिलाकर, प्रशिक्षण सफल रहा और प्रतिभागियों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। प्रशिक्षण का समन्वयन डॉ. अर्पिता शर्मा, डॉ. स्वदेश प्रकाश, डॉ. विनोद के. यादव और डॉ. अंकुश कांबले ने किया।

Glimpses of Online training program "Advancing Understanding of Fisheries Economics for Tomorrow's Leaders", June 24th to June 28th 2024